पुणा International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

# कक्षा -३

# जनवरी माह का पाठ्यक्रम

# २०२१

पाठ-१३-मिर्च का मज़ा

पाठ-१४-सबसे अच्छे पेड़

व्याकरण-पर्यायवाची,विलोम,समान तुकवाले शब्द, वचन

लेखन-अनुच्छेद-क्रिस्मस
-पेड़ हमारे मित्र
-चित्र-वर्णन

# पाठ-१३-मिर्च का मज़ा

*पाठ का सार-यह कहानी एक काबुलीवाले की है|जो काबुल से भारत आया था| उसे यहाँ की भाषा बहुत कम समझ में आती थी|एक बार उसने एक कुंजडी को लाला मिर्च बेचते देखा| लाला-लाल मिर्च देख कर काबुली वाले के मूंह में पानी आ गया|वह सोचने लगा क्या बड़े-बड़े लाल-लाल दाने है ,खाने से शारीर को बहुत बल मिलेगा |ये कोई मौसम का मीठा फल है| काबुलीवाले ने एक चवन्नी देकर कुंजड़ी से से जैसे-तैसे समझाकर बोला यह लाल-पतली चीज अगर खाने की है ,तो हमें भी चार आने की दे दो| कुंजड़ी ने मिर्च देते हुए बोला यह तो सब खाते है | मिर्च भरी झोली लेकर काबुलीवाला बहुत मगन हुआ किसौदा बहुत सस्ता हुआ है,और नदी किनारे जाकर लाल-लाल मिर्च चबाने लगा | मीर्च मुंह में डालते ही उसका मुंह जलने लगा ,आखों से पानी बहने लगा,मुंह सिसियाने लगा और मुंह से सी,सी,सी की आवाज निकलने लगी | वह सोचने लगा कि काबुल का मर्द हूँ मै इस मिर्च से क्यों मुंह मोड़ ले ?पूरा चार आना खर्च किया है तो वसूल करे बिना क्यों छोडे? तभी वहां एक सिपाही आया ,काबुलीवाले को मिर्च खाते देख बोला ,अरे बेवकूफ क्यों मिर्च खाकर अपने को परेशान कर रहा है ? काबुलीवाला बोला तू जा अपने रस्ते मै कोई मामूली इंसान नही हूँ मै मर्द हूँ ,ये मै अपने पैसों की खा रहा हूँ |

## *कठिन शब्द-

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| *-काबुलीवाला | *-कुंजड़ी | *-मूल्य | *-झोली | *-सौदा |
| *-बेवकूफ़ | *-पतली छिपी | *-चवन्नी | *-आना | *-फ़कत |

## शब्दार्थ-

*-काबुलीवाला –काबुल का रहने वाला

*-कुंजड़ी-साग-भाजी बेचनेवाली

*-मूल्य-दाम

*-झोली-पल्लू की थैली

*-बेवकूफ़-मूर्ख

*-सौदा-लेना-देना

*-चवन्नी-25-पैसे

*-पतली छीपी-पतली-मिर्च

*-तबाही-बर्बादी

*-सेर-माप का पैमाना

*-सिसियाना-मुंह से सी,सी,सी की आवाज करना

## *-प्रश्न-उत्तर-

प्र-१-कौन-सी चीज देख कर काबुलीवाले के मुंह में पानी आ गया?
उ-लाल-लाल मिर्च देख कर काबुलीवाले के मुंह में पानी आ गया |
प्र=२-काबुलीवाले ने लाल मिर्च खरीदने की इच्छा किस प्रकार जताई ?
उ-काबुलीवाले ने लाल-लाल मिर्च देखा| इस से बल मिलेगा यह सोच कर उसे खरीदने की इच्छा जताई |
प्र-३-कुंजड़ी ने लाल मिर्च के बारे में काबुलीवाले से क्या कहा?
उ-कुंजड़ी ने काबुलीवाले से लाल मिर्च के बारे में कहा कि ये तो सभी खाते है|
प्र-४-काबुलीवाला क्यों मगन था?
उ-सस्ता सौदा पाकर काबुलीवाला मगन हुआ|
प्र-५-मिर्च खाते ही काबुलीवाले का क्या हाल हुआ?
उ-जैसे ही काबुलीवाले ने मिर्च मुंह में रखी ,उसका मुंह जलने लगा,आँखों में पानी भर आया ,मुंह से सिसियाने की सी,सी,सी की आवाज निकलने लगी|
प्र-६-सीपाही ने काबुलीवाले को बेवकूफ़ क्यों कहा?
उ-लाल-लाल तीखी मिर्च चबाते देख कर सिपाही ने काबुलीवाले को बेवकूफ़ कहा|
प्र-७-सिपाही की बात सुनकर काबुलीवाले ने क्या उत्तर दिया ?
उ-काबुलीवाले ने उत्तर दिया कि तू जा अपने रास्ते ,मै अपने पैसों की खरीद कर मिर्च खा रहा हूँ|

## *-निम्न कथन सही है या गलत :-

१-काबुलीवाला लाल मिर्च का नाम नही जनता था| (सही )

२-लाल मिर्च खा कर काबुलीवाले की आँखें बंद हो गई| (गलत)

३-मुंह जलने पर भी काबुलीवाला लगातार मिर्च खाता रहा | (सही)

४-सिपाही ने काबुलीवाले को और मिर्च खाने के लिए कहा| (गलत)

## *रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

१-काबुलीवाले ने समझा कि मिर्च के अच्छे दाने खाने से <u>बल</u> मिलेगा|

२-कुंजड़ी ने <u>लाल-लाल</u> मिर्च काबुलीवाले की झोली में दाल दी|

३-मिर्च खरीद कर काबुलीवाले ने सोचा कि यह बहुत ही <u>सस्ता</u> सौदा है|

४-काबुलीवाले की आँखों में <u>पानी</u> भर आया|

५-काबुलीवाले ने सिपाही को अपनी राह जाने को कहा|

६-चवन्नी में 25 पैसे होते है| तो एक रुपय में 100 पैसे होते है|

## *-व्याकरण :-

### १-समान तुकवाले शब्द लिखिए-

१-कहानी-पानी २-फल-बल ३-छोड़े-मोड़ें ४-झोली-बोली

५-सिपाही-तबाही ६-पाके-जाके

### २-शब्दों के बहुवचन बनाइये-

१-छीपी-छीपियाँ २-आना-आने ३-झोली-झोलियाँ ४-नदी-नदियाँ

## *-लेखन-अनुच्छेद- 'क्रिसमस'

१-क्रिसमस ईसैयुं का त्यौहार है|

२-यह त्यौहार महात्मा ईसामसी के जन्म दिन के रूप में मनाया जता है|

३-इस त्यौहार को पूरा संसार मनाता है|

४-हर साल 25 दिसम्बर को यह त्यौहार मनाया जता है|

५-इस दिन लोग नए कपड़े पहन कर गिरजाघर जाते हैं|

६-लोग अपने घर को साफ़ करते हैं और घर में क्रिसमस का पेड़ लगते हैं ,और उस में बच्चों के लिए उपहार लगा देते है|

७-सभी लोग गिरजाघर में एक साथ प्रार्थना करते हैं|

८-प्रार्थना के बाद सभी लोग एक-दूसरे को 'मेरी क्रिसमस' बोलते हैं|

९-लोग इस दिन तरह-तरह के पकवान बनाते है और बांटते हैं|

१०-विशेष रूप से क्रिसमस पर केक ही सबसे अच्छा पकवान होता है|

११-इस दिन पूरी दुनिया में छुट्टी रहती है|

१२-यह त्यौहार आपस में खुशियाँ बाँटने और स्नेहभाव रखने का संदेश देता है|

# पाठ-१४-सबसे अच्छे पेड़

**पाठ का सार:-**तीन भाई थे|एक दिन तीनों सुबह-सुबह घर की तलाश में निकल पड़े |गरमी के दिन थे तो बहुत गरमी में वे तीनों सडक पर चलते रहे| थोड़ी देर में एक आम का एक बड़ा पेड़ आया तीनों उस पेड़ की छाँव में आराम करने रुक गये और पेड़ के पके-पके आम का रस चूसने लगे |बड़े भाई को वह जगह बहुत पसंद आईउसने कहा मै तो यही रहूंगा आम कच्चे होंगे तो अचार डाला जाएगा,पके आम को खा सकते है और आम पापड़ भी बना सकते है इसलिए वह वही रुक गया| बाकी के दोनों भाई आगे बढ़ गए|थोड़ी दूर चलने पर एक तेज घने बदल का टुकड़ा आया और बसात करने लगा | दोनों भाई ने केले के पत्ते तोड़े और अपने ऊपर ओढ़ लिए जिस से वह भीगने से बाख गए |बारिश रुकी तो दोनों को भूख भी लगी थी दोनों ने दोनों में केले के पत्ते पर अपना खाना परोस कर खाया|बाद में एक-एक केला भी खाया|दूसरे भाई को वह जगह बहुत पसंद आई ,वह वही रुक गया और तीसरा भाई आगे चल दिया चलते चलते वह नारियल के पेड़ के पास पहुंचा उसने नारियल का मीठा-मीठा पानी पीया और वही बैठ कर सोचने लगा कि पेड़ तो सभी काम के होते है आम का,केले का नारियल का |इनके फल खाने को मिलते हैं|

पेड़ तो नीम का भी बहुत काम का होता है नीम दवा बनाने के काम आता है,नीम की टहनियां दातुन के काम आती है | जिससे दांत में कीड़ा नही लगता|कोई बीमार हो तो नीम की टहनियों की दरवाजे पर लटकाया जाता है,जिस से रोग दूर भाग जाए|नीम का तेल,साबून बना सकते है| पेड़ रबर का भी काम का है पेड़ पर चीर मार कर खूब सारा दुधिया रस निकाल कर ,उसे पका कर रबर बना सकते है, रबर से टायर,गुब्बारे,और तरह-तरह की चीजे बना कर बेच सकते है| नारियल का पेड़ बड़ा काम का है नारियल कहने को मिलता है उसके पानी से प्यास बुझा सकते है ,नारियल सुखा कर गरी ,खोपरा बन जाता है जो मेवों में काम आता है| खोपरे को पेरकर गोले का तेल निकाला जाता है| नारियल का तेल खाना पकाने ,शरीरी की मालिश करने औए दवा और साबुन बनाने के काम आता है | नारियक का डोरी रस्सी बनाने के काम आती ही उस से दरी और चटाई बना सकते है |मेरे लिए तो यही रहना सही है तीसरे भाई ने वही नारियल के पेड़ के पास घर बना लिया |

*-कठिन शब्द:-

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| *-सडक | *-चूसना | *-अचार | *-झोंपड़ी | *-बढ़िया |
| *-दातुन | *-टहनियां | *-दूधिया | *-डोरियाँ | *-रस्सियाँ |
| *-चटाइयां | *-खोपरा | | | |

## *-शब्दार्थ:-

*-चूसना-धीरे-धीरे पीना

*-बढ़िया –बहुत अच्छा

*-दातुन-नीम या बाबूल की पतली टहनी

*-दुधिया-दूध जैसे रंग का

*-डोरियाँ-पतली-पतली सूट या रेशम के धागे

*-रस्सियाँ- मोटी जूट या सूत

*-चटाइयां-जुट या सूती धागों से बनी धरी

*-खोपरा-सूखा नारियल

## *-प्रश्न-उत्तर-

प्र-१-तीनों भाई कौन से मौसम में घर की तलाश में निकले?

उ-तीनों भाई गरमी के मौसम में घर की तलाश में निकले थे|

प्र-२-तीनों भाई कहाँ आराम करने लगे?

उ-तीनों भी आम के बड़े से पेड़ की छाँव में आराम करने लगे|

प्र-३-आम का पेड़ किस भाई को पसंद आया?

उ-आम का पेड़ सबसे बड़े भाई को पसंद आया |

प्र-४-दूसरे और तीसरे भाई के केले के पेड़ों के पास से गुजरने पर आसमान से होकर कौन गुजरा?

उ-दूसरा और तीसरा भाई जब केले के पेड़ों के पास से गुजर रहे थे ,तो अचानक से एक काला बादल आसमान से होकर गुजरा|

प्र-५-केले के पेड़ ने दोनों भाइयों को किस से बचाया?

उ-केले के पेड़ ने दोनों भाइयों को भीगने से बचाया|

प्र-६-केले के पेड़ हमारे लिए किस प्रकार उपयोगी हैं?

उ-केले के पत्ते को खाने के बर्तन की तरह उपयोग कर सकते है,केले की शब्जी बना कर खा सकते हैं,केले जब पक जाता है तो उसे खा कर भूख मिटा सकते है, केले को दूध में मिला कर पी सकते है|

प्र-७-नीम की टहनियां किस-किस काम आती हैं?

उ-नीम की टहनियां दातुन के काम आती हैं,कोई जब बीमार हो तो घर के दरवाजे पर नीम लटका दी जाती हैं|

प्र-८-रबर कैसे बनता है?

उ-रबर के पेड़ पर चाकू से एक चीरा लगा कर उसके नीचे एक कटोरा लगा दिया जाता है| चीरा जहां लगा है, वहां से दूधिया जैसा रस निकलता है | उस रस को जमा करके एक बर्तन में पकाने से रबर बन जाता है|

प्र-९-रबर का पेड़ किस किस काम आता है?

उ-रबर के पेड़ से रबर बना कर ,उसे बेच सकते है| रबर से गुब्बारे बनते है,रबर का रस पका कर टायर बनाया जाता है|

प्र-१०-नारियल के पेड़ से हमें क्या-क्या लाभ हैं?

उ-नारियल के पेड़ से अनेक लाभ हैं| नारियल की जटाओं से मोटी डोरियाँ बनाई जाती हैं| उस डोरियों से चटाइयां बनाई जाती हैं|नारियल का पानी पिने से प्यास बुझती हैं ,पानी मीठा और स्वादिष्ट होता है| नारियल

की मलाई खाने में अच्छी लगती है|नारियल को सुखाने पर वह खोपरा बन जाता है,जो बहुत से पकवान और मिठाइयों में डलता हैं| नारियल का तेल खाना पकाने के काम आता है|इसी तेल से साबुन और क्रीम भी बनता है|

## *-निम्न कथन सही है या गलत :-

*-गर्म-गर्म धूप में तीनों भाई सड़क पर चलते चले गये| (सही)

*-कच्चे आम का अचार बनाया जाता है| (सही)

*-बारिश आने पर दोनों भाई पीपल के पेड़ ककी ओत में छिप गये| (गलत)

*-नीम की दातुन अच्छी नही होती| (गलत)

*-रबर के पेड़ की छाल पर चीरा लगाने पर दूधिया रस निकलता है| (सही)

## *रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

*-आम के पेड़ के नीचे ठंडी छाँव थी |

*-तीनों भाई आम का मीठा रस चूसने लगे|

*-नारियल का पेड़ बहुत लम्बा और पतला होता हैं|

*-रोग दूर भगाने के लिए नीम की टहनियां दरवाजे पर टांगी जाई हैं|

*-खोपरे को पेरकर गोले का तेल निकाला जाता है|

## *व्याकरण –

## *-शब्दों के अर्थ लिख कर वाक्य बनाओ-

| शब्द | अर्थ | वाक्य |
|---|---|---|
| *-आसमान | गगन | आज आसमान बहुत साफ़ नजर आ रहा है| |
| *-मज़बूत | पक्का | मेरा घर बहुत मज़बूत बना है| |
| *-बढ़िया | अच्छा | मुझे बढ़िया-बढ़िया खाना खाना पसंद है| |

*-खोपरा सूखा नारियल मेरी माँ खोपरे की मिठाई बनातीं हैं|

*-चार फलदार पेड़ों के नाम- आम ,चीकू , केला , अमरुद

*-चार छांया दार पेड़ों के नाम- नीम, पीपल, बरगद, अशोक

*-रबर से बननेवाली वस्युयें- गुब्बारा, टायर, रबर की डोरी

*-पर्यायवाची शब्द-

*-काम-कार्य ,क्रिया *-चीज-वस्यु,सामग्री *-टहनी-डाल,शाख *-नया-नवीन,नव ,नूतन

*विलोम शब्द-

*-बीमार-स्वस्थ *-मीठा-खट्टा *-मोटा-पतला *-अच्छा-बुरा

*-साफ़-गंदा *-कच्चा-पक्का *-गरम-ठंडा *-ज़मीन-आसमान

*लेखन- अनुच्छेद- 'पेड़ हमारे मित्र'

१-मनुष्य के जीवन में पेड़ों का बहुत महत्व है| पेड़ हमारे सबसे अच्छे मित्र हैं|

२-पेड़ से हमें शुद्ध ,ताजी हवा मिलती है| जो हमें जीवित रखती है |

३-पेड़ों से हमें फल,सब्जी, लकड़ी,दवाई ,कपड़ा आदि मिलता है|

४-पेड़ की लकड़ी से हम घर बनाते हैं और घर का फर्नीचर बनाते हैं|

५-पेड़ होने बारिश भी ज्यादा होती है|

६-पेड़ों की कटाई करने से जमीन सूख जाती है| जिस से जमीन गरम हो रही है |

७-ज्यादा गरमी से पहाड़ों और ध्रुवों की बरफ पिघल रही है |जिस से बाढ़ आ जाती है|

८-हमें ताजी हवा चाहिए ,तो ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाना होगा |

९-पेड़ों की कटाई पर रोक लगानी होगी|

१०-सभी स्कूलो में पेड़ लगाने का कार्यक्रम होना चाहिए|

११-यदि जीवन लम्बा और अच्छा चाहिए ,'तो पेड़ लगाओ ,जीवन बचाओ' का नारा लगाना होगा |

*चित्र –लेखन-

१-यह चित्र होली के त्यौहार का है |

२-यहाँ एक ढोलवाला ढोल बजा राहा है |

३-एक बड़ी मेज़(टेबल) पर कुछ रंग ,पिचकारियाँ रखी हुई हैं |

४-मेज़ के किनारे नीचे एक पानीवाले रंग की बाल्टी रखी है|

५-चित्र में तीन बच्चे भी हैं ,जो एक दूसरे के ऊपर रंग दाल कर खुश हो रहे हैं|

६-यहाँ दो लड़कों के पास पिचकारी है और एक लडकी है, उसके पास सूखा रंग है|

७-सभी बहुत खुश नजर आ रहे हैं|

---